

इतिहास
~~का~~

२४

व्यवहार अर्थ

कारकत शके १८५८

संशोधन
२४/५/३३
मंडल



३८

११९

१६५७ राससी नाम संव
 तसरे आसीन सुद १४ सुकैर वा शते धदी
 वसी फार के तीली धी पाहा बा मान मा ७
 मेजे ब न से दे रे पा क न उ बा छि राजो
 बा मान मा ७ व ना गो बा मान म डि वो
 उ दे द उ म ये ता नी ले हु न दी धल
 मे से जे आप ले गुरु ज ना दे न मान मा
 व जा लू पुरी हो ते या स ज रा ती व हु
 त जा ली जानु न अप न तु म्हा स सा गु न पा
 य वी ले जें मान मा व या प्रां ता आ ली या उ त
 म अ से ला व र न तु म्ही मान मा वा स दा डी
 पाल पी न पाल प उ द ने से आ ले घे उ न आ
 ला या ची से वा रे ह्यो त प र्य त तु म्ही पा हा

पाखाने कली के शर पदा र्य के ली मान मा
 वी आप ली वे द्हा नी कली ये ती जे जो प री
 य त अ रा त्री आ ह तो प री य त हे र प ये व के ता
 की सु ११ प हा या वा वें ना गो बा दे ख त बा
 वी ही दी ले सा स मान मा दे व आ शो जा
 ली या चे द स की या अ र फा ली या की र प
 वा टी दा पा उ न दो न मो ह र य त रोर व र प य
 सा उ प ध रा ह र की या के ली उ प री फा
 र के ती ली हु न दी धली पा व री पा हा या बा न
 न ना गो बा न ध म की चार न हे य के ता की र
 प य रा जो बा पा सी दी ध ले या छ मु जा ही म
 हो इ ल तो दे वा मार्ग वा आ न्या इ दी वा ना प
 गु न्हा गार हे प्रा ली स ही वी क ल म रा जो बा चे
 प्र ना र्द गा ही भा गो वी



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com